

160
Songs /
Buddhist

ASHA ARCHIVES

2851 I

विनिमयदविमिहवनयविष्णु॥ ॥ पूर्वउहृज
पश्चिमदक्षिणहवनरजकिनिदीपिनिबडसिकै
वाजिनि॥ ॥ वतुनदिगयतुक्ररुलदविशु
निविनिदविनावतुदवि॥ ॥ हनिहृजवुक्का
दुम्भसूत्रगद्यशपाउश्यागिनिस्मनसंलव॥ ॥

२ नमस्तुते

ॐ नमः श्रीवक्रसम्भवाय ॥ ॐ नमः श्रीपद्मनृत्य
स्थवाय ॥ नखापनासेनरुः तिनयनमहितावक्रमा
ननकगमति ॥ वावाहिमूलदायां सपत्रविदत्रिर्ननाग
नोथं पत्रायां ॥ सखेष्टद्वीगयासो ननकमलजासीना
वामदारिवदुर्हि ॥ सर्वकर्हि तिसूलपत्रसुउमनूकं ॥
विरवकं हनूकाषां ॥ ॐ नमः श्रीपद्मनृत्यस्थवाय २

२ गोपमाला

॥ ॐ नमः श्रीवक्रसम्भवाय ॥ यनात्रागद्वय ॥ धवल
सुधर्मय ॥ गाव ॥ कमलवने ॥ कला ॥ समदि
ननजा ॥ गा ॥ सहस्रकने ॥ कला ॥ तिनवलतह
षिना ॥ गा ॥ देहधने ॥ कला ॥ तथनासंयुक्तं ॥ गा ॥
समलानमन ॥ कला ॥ समनसंलवे ॥ गा ॥ समा
धिगुधा ॥ कला ॥ नृदयशन ॥ गा ॥ कनूक्षल (ग) ॥

२५ श्रीदश २५

कला ॥ मृदिनविकासिन ॥ जा ॥ धर्मतनू ॥ क ॥
त्रिखवनरुयंरुयं ॥ जा ॥ कुशलिक ॥
सन्त्यंनिवजसत्यनमयुनू ॥ जा ॥ वागमृन्धनि
॥ गालपचम ॥ धर्मादयामंगतकामनूपि २ संयातयू
॥ कंदकलाविलाशि ॥ ॥ जिनेन्द्रमागाजिनसूदनी
त्वां ॥ ॥ नमामिगात्रकूलिगज्वनीत्वां ॥ ॥ वा

२६ श्रीदश २६

गमृन्धनि ॥ वामकननषयत्रपाथानत्रहिन्दिया २
वजकनमृष्टिदृढमात्रवदुदशन ॥ ५ ॥ त्रिहंगना
मलत्रिहंगनामिनाटनावेहवजनाया २ नीलवर्कनि
लकल्लयासत्यवजसूकनू ॥ ॥ नकप्रियला ६
वनविकनसूवदन २ ललललितजिहसूहलासून
वदन ॥ ॥ मृदयदशपित्रयिघनवगधसूकाया २

२७ पृष्ठ मथानि २७

गगनमयसर्वत्रिहासवदन ॥ ॥ हलयिसंहल
घनवाजयिउमनूरहनयिभिरगसामिनिहिरवन
सहनव ॥ ॥ नागमालगि ॥ गालमाथ ॥ विषूत्रप
मथनिनविनकनापि २४ मालिगलसूत्रतजगमा ॥ ॥
ॐ ॥ हदिकधुमिजसाउदितसूनाहि २ मूनहागइकी
उक्तियागि ॥ ॥ नदितसूत्रपिगीद्यसूत्रयि २ नूधि

२८ पृष्ठ मथानि २८

नयवन्नयत्रितवक ॥ ॥ ननेकायद्यधिनकूलिग २
नदहवनाषरुकेपायपीयूषं ॥ ॥ षड्सफवकरुम
निठिना ३ २ मून्यानामायसमहासूत्रदाता ॥ ॥ नाग
लास ॥ गालरुति ॥ हुं हुं हुं हुं हुं दहधन संसानननूरुह
दात्रालिगलयागधन ॥ ॐ ॥ हवजागुक्राननाहुंनना
हुं ॥ ॥ सूत्रननवदनवनलमनूरुसूमविलप

घाषं कालवकं हवजसंवन्न विश्वनूपं रपयिपदम
 संजागः संहवनिश्च ना सहजमानदमयज्ञाननूपं ॥ ॥
 वजपथं कसनः कंकमन्ननन् नामसंगीती मृक्षयथा
 नं रजगतदः खनागनं वाधिरुलदायकं जागधर्मभाज
 लावनीनं ॥ ॥ गुनवाक्यदृढधनिया मृद्वपवनकं वि
 या महिमुखचक्रुतादिधनिया रवउवकपात्रसं लीन

२ मधुनिप ३१

पनमज्वनं सनजरमभाज्या नहहवनं ॥ ॥ स्वप्न
 मायासदृशः लावयनि लावयः वृद्धधर्मसंघः सनक्षगमि
 यं रगुनवन्नक्षः सिन्यंधनिया गवकिस्ननवजः जन्म
 जन्मभाज्वृद्धसनक्ष ॥ ॥ नागवसनक्ष ॥ मधुनिप
 पिप्पलाः दयिनिकुमाना रसकलदवदेत्यवदिनपाद
 ॥ ॥ ॥ मेणीमादिवृद्धीमं रुकुमाया रत्नं मृहिवदि

तपस्यनृत्तयश्चन॥ ॥कंकमनृत्तिनासृत्तिनविष
माशून्नागंतीनकनृत्तविहाने॥ ॥विषयविषम
कूटपात्रगमनसृत्तिविषयापिनगिवगुनृत्तयत्न॥ ॥
सनगुनृत्तपत्रमाद्यविन्दुमात्राच्छृगभक्तित्वगीतपत्र
नकुलिश॥ ॥त्रागतेनवि॥नालदूर्जमान॥नमा
मिश्रजिनधातुनैकनृत्तकवगुनमृत्तिमालिङ्गितार

नमामि २२

पक्वज्ञानपंचधातुसूपावृद्धधर्ममालयश्चन॥ ध्रु॥
ननादुंरुंननादुंरुगगसंज्ञानउधनियामनाहननमा
लुनमास्तुपंचजिनश्चन॥ ॥नमामिश्रीशक्तिपू
नश्चनमहिंसिद्धिवनदायनिश्रुतिनहननसर्वपा
पकृत्यंकनदानपृथ्वनुदुमाकूपदं॥ ॥नमामिश्र
धर्मधातुवागीश्वनषादशद्वानपनिमलितारथा

दशहा नक्षत्र नक्षत्रका ना सर्वदवपत्रिमल्लिता ॥ ॥
 नमामि श्वागीश्व नमस्तु लपन्नगिनिनिवागिना २ सत्व
 विमाहिनदः विनासनयनमामिजिनवकुश्वना ॥ ॥
 नागनाट ॥ तालमाथ ॥ पातलकानगनमावाधिया ल २
 सिद्धयागिनिवन्धदहननन्ददव ॥ ध्रु ॥ नमामि श्वा
 लोकमन्त्रिहवननाथ २ क नक्षत्रमयजगत उधानी

॥ ॥ हनिहवनवक्रा न्डादिगयाला २ नागयज्ञगलव
 दितव नक्षत्र ॥ ॥ ३ क स्रक्त नक्षत्र पापहवन २ व्याधि
 दानिडदः खल्यहवन ॥ ॥ सुखावतिहवन धर्म
 नक्षत्र २ श्रीलोक श्व नक्षत्र नक्षत्र नक्षत्र ॥ ॥ सुखाव
 नातं पत्रिनक्षत्र नक्षत्र पुलं वक्ष्मन् वक्ष्मन् २ कापिनवा
 सा सुविभक्त विंता मन्त्रा न नागं सुविभक्त मूर्ति ॥ नागमन्त्रा

ल॥ गालुगि॥ गन्धमलुसमध्वंका न संज्ञाता २ दित
 म्रकमखपृथीविदवि॥ ५॥ ॥ नृक्षहिमहृदविपृथी
 विमाता २ सर्वजलसंपूर्ण हृषितदवि॥ ॥ पीतवर्क
 सोम्यनूपिदवि २ सद्यमग्रहयंकनलाकसंगानधी॥ ॥
 कनकहृदयठवामकनधानधी २ सद्यकानहयंकन
 लाकसंगानधी॥ ॥ दिवा लंकानहृषितदहा २ हान

म्रनूपननिर्घाषवसूधना॥ ॥ नागधनायी॥ गज
 मखविनयनतांदवपदवत्रनृत्ताधियनिगलध्वना २
 हलममिमृक्कानलाहृनक्षानक्षकिन्नसंकासा॥
 ५॥ ॥ मालियाविद्यामालियादर्यमालियादःखविदा
 नक्षं २ मालियामायामानसंगतामत्रवपमृदितनासि
 ता॥ ॥ पनगुवाधं कृशवज्रखरुहिष्ठितपालमृनि

दहिनकनाश्मस्त्रधनखड्गपञ्चकत्रकत्रतिवाम
 ॥ ॥ विविधवस्तुकवकटिद्योसाऊठाऊठमसिमसिद्धि
 नाश्लभातत्रधितलभादत्रसाहायायलफिमिमिमिवा
 ऊर्क ॥ ॥ तत्त्वाहत्रधुतत्रत्वाकलिंगामूखिकमूखम्
 तिसूयनाश्दीनादत्वात्वमसूखदातानमस्तु २ ग ॥ ॥ ॥
 ॥ वागहत्रवि ॥ तालूकनि ॥ पूर्वदिगंवनवचा

२ पूर्वदिगंवन ३९

यग्मगानन्दविवक्षायनिहंसासनिश्चलत्रदिगंवन
 गङ्गात्रग्मगानन्दविन्दायनिवृषवाहनि ॥ ॥ ॥ ॥
 वमहाकालगलपतिकुमानविनरुतुपालयद्वयद्वनी
 २ पूजियानममन्त्रित्विन्धुनाबोसथिथागिनिमा
 हगक्षा २ बोडहवनगीभूषणमगानतुतपुनपिभायग
 ॥ ॥ पश्चिमदिगंवनकालांकुम्भगानतुंदवि

ना २३ ईषक लिगा पिंगल के मउ नम कह साक नूध मय
 ॥ ॥ कनगिके पाला भानिख झांग नाग वलय नाग कुधु
 लहा ना २ नाग गिल सिनो पन नाग मूख नाग आह नक्षसू
 (महा ॥ ॥ किन वल मो लिध भिन मगा वद्ध सासन स
 नरु कवी ना २ पुना नूठा गांद वला वा सासु न कुलिसा मूनरु
 नसनक्ष ॥ ॥ नाग विलास ॥ का ला ०० थिया वाल मर्म

२ को ला ०० ३२

सकं काला २ घन कियी ० हावज ०० कनू (स किय ०० नला
 ला ॥ धर ॥ मलय रुकुन्द लुठि सिमान हिना दवज ०॥
 नहिर नूषा रुगम धमय नापिव ०० आ ०॥ ॥ हालि
 कालि रुलय वन दून्द नूवज ०० आ ०॥ ॥ वउ समक
 सुनि सिद्धा कर्ष ला ०० आ ०॥ ॥ मलय ०० न साति
 रुले नहिर नूषा रु आ ०॥ ॥ ॥ प्ररुध खगल कनंगस

सयलसूत्रनवजवदितववना॥ ध्रु॥ नरगवनिपादक
मलमहिमलीलनउलघल्लुडलालादंतहाउआरवन
विहृषितनउलघल्लुडलालाः छिनिछिसिछिनयननय
नाछिनयना॥ ॥ कननिकयालयिवनंदवननसि
नमाला१कननिखडांगवलमकूठकभा॥ ॥ सिन
ससिंधूननयनकजलरुलजाला१कलुनीकर्णनर

लयितंवाला॥ ॥ गवनिस्त्रनवजवदितववन
१पुक्षमामिहवसहजाननद॥ ॥ वागकावलि
॥ कालमाथ॥ सर्ववृद्धविवृद्धमद्युताविश्वमालानिद्धद
नि१वजमंदितवजजागिनीकालदलागलिलावना॥
॥ ध्रु॥ नमामिवाहलिसिद्धिजागिनीगलमद्युता१
भूक्तमदिसमसिद्धिजागिनीविश्वमालाविखलुता१

१सर्ववृद्ध ४२

॥ आदि नमस्तुल नरुसमसुदीपमा लासुतीरुना २ वकी
 कृष्टुलकट्टी लावक मषल विहृषिगा ॥ ॥ क नति
 षर्प न. मा नरुद नि. म कूटकं गदिगं वना २ नृष्टु मालख
 डांक मष्टिगाला लुजि काहयंक ना ॥ ॥ तुकादविज
 कभूनकासयल विज्व वियापिता २ तु रुव न नसि यंध
 त्रिया भूवधूवक कृपा गवयिया ॥ ॥ नागमधूमन

२३
 ३३

॥ गालमाप ॥ वरुध नयंच वृद्धमनि वननाय गरुमा सनरु
 पत्समडा २ मलुलसूत संपाथ नाय मा रुलिख मि वराव सा
 लावसमं ॥ ॥ ॥ गभयन वरुमपुय च्छरुं महामलुलसूतपा
 नयामि २ सिंहस नरुतिः पूर्व वडुद्यति भूति मनसुखरु
 लदायनी ॥ ॥ नल धकपीन वरुदक्षिण वनक न भू
 ग्भ नूरा विजिन २ महामलुलरुमिसूत क्षय रुं आलातिक

दहिममच्चिसिद्धि॥ ॥२॥ नागमधूमन॥ कालजति॥
 सृष्टिमलिनमलुलवक्रः उद्धितकृत्यपताकविनालं रस
 पुतिनादिनतुनगरमनकः नदनवगीतवन्नमनाहं॥
 ॥ ॐ ॥ ननाहं ननाहं ननाहं ननाहं॥ ॥ पञ्चवृद्धात्मक
 सर्वज्ञायं रपञ्चतुनाठविलुलुदियां॥ ॥ यत्र हि नकुम
 हासहनामा रनृणं तुगीतवन्नमनाहं॥ ॥ अवकथा

नमसि कुरु हि क्षायं शमाथवनिमृथनत्ववनीयं ॥ ॥ या
धवनिवनवाधगुल्लसं २५ खनिदानहविद्वस्यं ॥ ॥
वृद्धनियनयदापविमृच्छितननवृद्ध २ वाधविणवनयान
विपनिनमिदं सकर्मननादं ॥ ॥ द ॥ नागदमाल ॥ मा
याजालविन्दुसदसगनिना २ माहमायादर्यनद्धादिममाया
माह ॥ ध्र ॥ ॥ ३ संसा न नृसा न २ नागदधमाहद्धादिममों ॥

निनभासा॥ ॥ भनमिषनयन इडकन विद्याश्कुम
 निविकइक्षनपृथ्वद॥ ॥ सहस्रसंलावय उदनागतध
 विद्याश्नुसायनमवासननूवे॥ ॥ भवधूवउदयवउ
 पायपुसादं २ गभवकिनिर्घपाहवचकनवधी॥ ॥ गग
 भूभनहेनवि॥ धूमागत्रिवन्दकनात्री २ हीषनपिंगल
 कगठिनवयन॥ ५२ ॥ हजयिया लरूरुनकलाति २

नानाविनूवमहावलिपूजा॥ ॥ समयानरुकरु
 गागं वलिदेवि २ वरुत्रिवरुत्रिसमकुलवयन॥ ॥
 गिनकंकात्रेदुगावलि (ग) हिय २ पृष्टिकनकं समकुल
 (ग) हिय॥ ॥ ओडमहावलिपितृवनगयन २ मेंदु
 मरुमां सुत्रधिनानाध॥ ॥

२१४५

ASHA 1911 53

2851 I

५/३

लोकां जाव

लोकां जाव ॥ जाव ॥ कमलासनस्थ गणेशधरा
कनकमलं ॥ कला ॥ सहजानंदकालिका ॥ जाव ॥ नि
खिलजिनहृदयाद्वादसद्वत् ॥ कला ॥ नरकमंडकमा
त्रा ॥ लोकां जाव ॥ नागभूषणरत्नवि ॥ गालचक्रं अत्रमाथ
॥ विश्वसनाग्रहविन्धुर्विवा २ मां कानवियापीतसुसंरुवा
॥ ध्रु ॥ नमामि शशीमगीश्वरसयलमूनिजिनहृदया

२ मां कौमुदी

॥ २ ॥ विवासयिकूटंगमत्रमनोहवनसयलमूनिजिनहृ
दया ॥ ॥ पीतनीलाग्रनभीतवयनश्चक्रजिनमकु
टमक्षितयन ॥ ॥ धर्मवकुमडाकलिसनामिश्रयक्ष
वापयिपुस्तकवनस्थसं ॥ ॥ सुवासवनमिगतवक्
त्रलेश्वरनयिपत्रमादिवक्त्रजिनगुल्लयन ॥ ॥
नागरहं ववि ॥ गाल ॥ माध्वमन्त्र महा मणि कनका

जिगः पूर्वविदहं वदीयं १ अथ नलग्नदायनिउरुनकन
रुवनः पक्ववर्कः पक्वजिनवापियाल ॥ ५ ॥ नमपक्व
वृद्ध ॥ विश्वशीजिनविश्वहितविश्वरुतपक्वमृति १ अथ
दियानवाः वहतिजिनमानसाः रुनकुहयतिमिन्नद्यन
धान्न ॥ ॥ ज्ञातवदनलग्नाउपदियनाउपदीपज्ञा
गुदान १ सननवाउपदीपचउविदिगरुवनः वाउपदी

पशीखुपत्रम् ॥ ॥ दिनदवनयावियः नननधिन
यावियः सफमृष्टादवनचंविद्यान १ अथवाउदिविस्ताय
वकुमधिकसमनिधिननिखिनवदयति ॥ ॥ गुन
चत्र (ध) निव नसंलग्नियप्रित्तावनामनकसमउ
दनसंयप्रिपूजा १ पुष्पवयनित्तावः सफपप्रिपूजिनरु
वज्जलनिधिसुउरुत ॥ १ ॥ नागयद्मागलि ॥ ताल

ॐ
ॐ
ॐ

सांज्ञि ॥ मनीलमूनलजलजाहवमाज्जमममधुल
वकुत्रायाश्वजयंजलसत्रजालसंयत्रिरुनीमममधुल
वकुत्राया ॥ ६ ॥ उमनरुद्रयिया ॥ मुन्यकनूदभा
लिंगनहन्वद्रुद्रयियाश्वजवावाहीभासिंगलसम
नद्रुद्रयिया ॥ ॥ ह्मिसंवीनवीध्वनरुद्रिगहिनहि
महिभूरसमसाने २ मूनहनसर्वदववजवादसदवि

ॐ
ॐ
ॐ

मिजगिवयनसंहावे ॥ ॥ विहवनरुद्रयकुहवाला
विहवनरुद्रयकुविनविनाशहिनिरवननवनानकय
साविनरुयमोनगयनसंहावे ॥ ॥ नूहिनिसिगनगु
नूवालगुलागलच्छादिगलरावाभूलावश्रजामनक्ष
रुयवधनच्छादिगलरुलियावूयकाकावा ॥ ॥ वाग
ललित ॥ नासज्ञि ॥ अनूरुनमथमावंकानरावन्नद

हे कानमनुष्यास (अधन वजासन स्थापित विपाक कलशं) ॥ ७
नूप विक्रित विविक्त कलशं २३ आह कानः वजामृतम
दकं सफ सं (अधित हाना मृतमयं) ॥ ४ ॥ चट्टामृतम
वाधिरु लदायकं सर्वदिन व्यापित सहज कलशं २३ ग
नमस्तः (अधित शुन्य क नृक्ष हवं संसा नना स न विन क
नूपं) ॥ ॥ वरुप नमानुस य गंधा व संयुक्त संखसन
स्थापित विपं व पीयूषं ॥ ॥ चट्टमस्तु क न न फ न

परावं आकृतं मद्या कि निरुल नूपं २३ निहि सा धा न सं द
वता च क हान सत्व मानिय हृदि रु कि न सं ॥ ॥ पायादि
मावनं दान पून न स मय च क पु व शि ग विम द कलशं
२ महाना ग द विलय वा धि विरु नूप समय सत्व हान व
क म की रुतं ॥ ॥ नाग माला ॥ ॥ नृ नंग म सं ध न व द
नागं स्वर्क प हा (अधु र हान ग न सं ग म ह मो विव द

२ नकुव नकु ७

लंयनासिनातायमक्कि किलकास्यपन॥ नागनाट॥ ना
लमाथ॥ नकुव नकु विहिल्लायनसुदत्रि २ म्मादसु
रुपह नकु किनला॥ ५॥ ॥ उक्काद विवान्निमामकिद
वि २ गगनपुमादि नमयनसुत्रंग॥ ॥ आगमवेद
प्राप्तवधान २ आगध नमदि कागु नउपदला॥ ॥
पक्कवद्धनमकयिस्स नूपकउक्क २ सहसुआगिलिल्लया

२ नकुव नकु ७

हन्व नहन्व॥ ॥ सनगुनव नल्लिल्लंगनधत्रि
या २ रुनयिस्स नगवज्जसुत्रासुत्रसु नूपि॥ ॥ नागम्
धनरहेनवि॥ गालरुमि॥ लम्कदहनपक्क हानसु नूप
२ पक्कमिया नसपक्क गालियुजियाले॥ ५॥ ॥ उक्काद
विवल्लिनायालिरुवनल्लिन २ वीनमयिपकसमयानन्द॥
॥ ॥ वीनं वीनम् नसहजानन्द २ कनकमत्तावर्हहद

१ नमः
२

यानये॥ ॥ पञ्चवद्वपञ्चसु नृपदवाहनः
न नयमदिगहदया॥ ॥ उ श्रु खं लो धया मिने २
उम नृपल्लव निविजमानये॥ ॥ जागमा ला॥ वीला
हृ ह श्रास नदं गस्यामाः पीता सस्या वहु नाननास्याः मृषा
दिवाय सुविनादियूजाः धूपादिधूना नं कलगीत गालि॥ ना
गहे न वि॥ गालजाप॥ नमस्कृता नृपदहध नृ २ संकृति

१ विष्णु
२

सत्त्व उता नमन॥ ॥ ॥ गना कं कं कं गना कं कं॥ ॥
धवलसुसाषिनदहध नृ २ सनदसुसाहिय वलुमन
॥ ॥ मायावृन्द नरुगनगु नृ २ साहिय क नृ २ सत्वम
कं॥ ॥ दंदाभा लिङ्ग क्षयागध नृ २ वज्रवधु मूडाध नृ
॥ ॥ नागमधुमत॥ गालजाप॥ विष्णु नृ २ विगसि
मलु लमाकः छिति शानदम नृ २ विधवा २ वज्रवा नाहिना

लिंगलसंवदः नाना नस्मि मही कृत्वा ॥ ध्रु ॥ गंगा दूंदू गंगा
 दूंदू दूंदू गंगा मायिका दूंदू गंगा दूंदू ॥ ॥ नीलवर्णवपु
 नवकुपुतिमुखविनेतनः यत्र मानदमन्निधना रविः
 ज्यवज मूर्ध्ववदुः शठमकुठधनाः हाउ मातृनलसु
 लमहिता ॥ ॥ वज्रयलुगजवर्म उमन्त्रय द्वांगधनाः
 वित्रमानदमन्निधनाः २ कनतिकपालधनाः यत्र स्या

२७ मदिग ॥

गधनाः त्रिसुलवक्र कपालधना ॥ ॥ दिगं विदिगं का
 कास्यादिगयमदाठिया लः सहजा मानदमन्निधना रन
 मामिनमामिशीवक्र संवत्रः सतगुन्व नल मायिका ॥ ॥
 नागमधूमत ॥ कालजाप ॥ पुम्दितमादिदश हूमिस्त्रि
 सनमन्मधुलमनहिगलयना रदादश हजवडे वदनस
 लमलावजवा नाहिकल्लु मालिगक्ष ॥ ध्रु ॥ दूंदू दूंदू दूंदू

दिहुरुत्तनेमा नस्यत्र संवाधियाल २ दंदाभालिंगमश्रुद
यसंलावः नावयिदानसंव नवाया ॥ ॥ कलिसद्युग
नवममिष्टूलकनकिठमनृशुभाहिता २ मफपनिसक
पालखद्वांगपागपननृवृक्षनिर्वांगधवा ॥ ॥ पंवनिन
वनमकृदभालंकृतषडमृदाभाहनक्षत्रविता २ आलिका
लिदयिनिभालिदवापयियाद्युवनमनिवासनरुप्र

६॥ तनू ॥ ॥ ननगिलसमालालंवाशीसंव नदियवरु
ठिनिकनृक्षहिया २ ननमरु नमरुशुपायसनलग्न
वकिपनमादिवरुगिता ॥ ॥ वागहनवि ॥ गाल
रुति ॥ ॥ अहं अहं रुद्रमृकखाहा मरुविमषडवा नृन २
पूजापूजिकपूजसंलावः सत्वनृयसंहवनुल ॥ ॥ ॥
खखखाहिखाश्रुतिवलिपूजा लयघवागयथा नयवि

॥ सर्वतथागतपूजनया लयातयामि पापनश्य
 र्थं पाजदिक्रियनिवर्हि क मलकलिसपत्रिजामल ॥
 ॥ कुसुमउदकमकुटासनिकमलाजिनकुलयासमया
 वार्यपदं २ मकुर्जनदर्यनसुत्रकपदशवलुगमिपदलाम
 ल ॥ ॥ नमामिश्रीवक्रसंवत्रगुनवाक्कदधध्वनियार
 सगुनवत्रलकमलपुगायभूनलनसिद्धिमपदं ॥ ॥

दे
 दि
 का
 १४

नागरास ॥ नालरुमि ॥ उदिता^नलनयापवनद्विगा २ वल
 (मसुदामयकं कालसुनना ॥ ५ ॥ धानद्वललावनिहा
 वनिगा २ मुखयनित्रंजनमाक्षरुता ॥ ॥ दिनकनमलु
 लमधगगा २ कनूक्षमृननसंभवकता ॥ ॥ दग्धभालि
 रयपुमिनिहंता २ दवासुननसिधनमिगा ॥ ॥ गभवन्ति
 पवनपत्रियुनृगगा २ श्रीवक्रवावाहिगुहगीलनमिगा ॥

१७७
२७७
३७७

॥ ॥ नागमूहति ॥ गालमा ० ॥ हाउ आर नलक्रियायि
नसंव नध नयिक वालि नव श २ तु क इ द ग म दि न म सा
न म कूटक न दि ग म न ॥ ५ ॥ न न मा न स म न रा या स
स म न स द नि मा न का न २ ह म वि ना हि व ऊ वा ना हि रु उ म
हि मा न सा ना ॥ ॥ ग ल ला य न व न स स ह म य न क र्प
न ह ल यि क म्वा ला २ ग ग ल नि ला व र्क व धि न आ ज म न म

२७७
३७७
४७७

सु त ह व ली ना ॥ ॥ ती यं ध नू ष ड्वां ग द्वा दि ग ल स म ६
त प यि स यि डु न ह द्वा ना २ ह म वि ना हि रु क वि न द धि मि
मू ष ना ॥ ॥ ग व कि नि ला व र्क व ऊ आ गि नि स त गु न
व न ल आ वा ध २ स म या आ न द रु लि ग ल म लु ल स म न ६
व ऊ वा ना हि ॥ ॥ ना ग क क्का दि ॥ गाल ख कं ग ल ॥ मू व
न नि हि त वा म ज्ञा नू ल स य ख म् कि न ल मा न स ता सा २ ना ग

इषमाहवधिपपागपिहवनवायाभूवलवीना॥ ५॥
 नमामिशीवलुमहावाषलजातमृत्युनिहृदिता२विश्वनाथ
 विश्वयापितविनविक्रमहाकाधवायाजातमृत्युनिहृदिता
 ॥ ॥ मृतिविषनादउग्रपुचलु॥ इहकवायाविद्युनिकि
 नम२पीठिनमूधनाककवनयनावेनिसंगसावाखरुस
 नम॥ ॥ माधवमायापुनलुनवक्रावृडपिभवापा

५
 ५
 ५
 ५

दहननम२समनसमायागविमाहाः हानवागसमाहि
 नदेहा॥ ॥ नलोहननमपुहलिनमोलिकयूननोप
 नमूननकावा२सूननननागभवदिनवननमवायस
 नमूनमूवनवीना॥ ॥ वागकनदि॥ गालनति॥
 नीलकंकात्रपुहलिनकिनम२उईपिहलकंगधीवज
 वाया॥ ५॥ नीलवर्षदविकननिकपालधनिया२

三

विद्या

खनकवनलश्मकूठकंशदिगं वना॥ ध्रु ॥ तना
 कूं कूं तना कूं कूं ॥ ॥ वामकवाठकदहिनकनति
 २हाउ आननकुं (श)हिता॥ ॥ सूर्यामधुलमा
 ऊगांदवमूनी २वऊमधिरसू (श)हिता॥ ॥ स
 मगुनवनलसिचंगनधनिया २गीवऊकागिनि
 वनलसुनल॥ ॥ नागमाहव॥ नालरुनि॥ नि

पनिहं व १२

ऊं ह्रव भूव ध्रुव ह नूव नाया श्ली ह न ग म न क्षा मि नि ष
 यि ष ॥ ध्रु ॥ आ न द्या दि द वा क्क लि आ न द्या दि द र
 ना व यि ह नूव म न सा संपूर्ण ॥ ॥ एक सि न हि रु व
 नि ऊं कूल ह नूव रं गं व नी मू नं कां किं न मि वां ऊं न
 ॥ ॥ यं यिं गं यिं ङं मिं मू दं यं सूं जां गं रं नूं वं उं यां मिं नि
 मं ऊं ले गी नं ॥ ॥ दं सूं नीं दं निं गी नीं वा नीं यं नो सिं रं

रङ्गवन्नीश्वरनकापिवयिसंगक॥ धीदादियात्रकल
यिवद्यालिङ्गीनश्वनकाकित्रतिवाङ्मर्क॥ ॥ श्रु
तिकातिदयितालधत्रक२कीदंतिकमलकुलिङ्गवा
ङ्मर्क॥ ॥ पयिङायिङाम्बिभूदयसंशाले २७कउ
यागिनीमंगलगीत॥ ॥ यस्मिन्नीध्यात्रिणेत्री
वीवीवनालिश्लेषनवउत्तमहन्ववाला॥ ॥

२० ॥ नाग हे न वि ॥ माल कृति ॥ विवि हं विहन लमा न वि
 ॥ सिव दन २ देवन न म्भू न गन हवन ह पु क न्धा ॥
 ॥ ५ ॥ नावयित न मामि श्री सं व ने विला १ वज्र गो गि
 नी न गिल माया समान स गृं ग न्ना ॥ ॥ वज्र वा ना हि
 ना लिंग न कं १० १ कृति सं वी नं वि नं न्व न सम न स लम
 सि ॥ ॥ एग क द ह न वि म्भू म हा स ह क रं १ क न्धा

नूनलायनलायनविषकं ॥ ॥ द्वादशतुल्य
 त्रिप्रवात्रिप्रउवदनं नीलसंज्ञवेनगगधुतुली
 लीना ॥ ॥ नागमात्रा ॥ ना ॥ ॥ नगासूता
 कातपथापनिष्ठा मूपादयन्ति मृदुपथनं ना ॥ ॥ ॥
 रुमपत्रितदृष्टिपाताः ॥ ॥ मादिका ॥ ॥ थकत्रिपदि
 सा ॥ ॥ नागमात्रा ॥ ना ॥ ॥ वक्रिकुलुकक
 ग्री ॥

स्त्रिंशत् चकमेखलरूपिनी वेत्रं धृतं ननमिलमा
 ला २१ ननयकि वकि लेया रसमवित् पितगगलपुव
 भूतिनाया ॥ ॐ ॥ पुस्तसमिह ननयमा नका नाया
 रुगनाथ ग्रीसमननाया ॥ ॥ वज्रकनाटक हाथ
 धनिया कंथ किया वषट्कांग १ संकृतनागिनिकमले
 विहासिगलमहासूखमेनिपुसाद ॥ ॥ वज्रवावा

हिमालिंगमसंवननावयिवरुविकुलरंग १ वाकृति
 कोलाया कदकिह नवमूर्द्धनरुलनपुसाद ॥ ॥
 सहस्रसंविनिलेयागमवकि कर्कपालह नववननपु
 साद १ पुस्तमालिंगमह नवनीलवर्क विनासयिगुन्य
 कनूमा ॥ ॥ वागरेनवि ॥ गरुजिनउद्धक हाथ
 धनि कमलकलिसमंगुवाला १ उमनकननिकूयन

२१
 २२
 २३

विमूलायामखड्गकपालधरा॥ ५॥ श्रीसमन्ता
 यायाकृतिकुङ्कुमंशुलिनाश्मानयिलेवापियालेमाया
 सहजसूतारवकुङ्कुलीना॥ ॥ पाशवकुम्भदकदा
 दशहाथधनियाउननगिलमालाश्नीलाहिनकनका
 पयिवउमुखमृतिविकला लधरा॥ ॥ मालीदप
 यारैनववापयिलेनकासिला मृतिविनमडाश्वि

२३
 २३
 २३

मकुलिसमूर्द्धवदुङ्गदशगयाधुवर्मषठमडा॥ ॥
 दृष्टिसविनविनमन्नायकतिनिचक्रमहाविनवि
 नाश्कनूतगृष्मनविनविनमन्नायकतिनिचक्रमहाविनवि
 नधरा॥ ॥ नागमालव्यागाल ॥ वज्रिधा
 जीवनालीचक्षुमालीश्सिंधिनिद्यांघिनिजम्कडो
 किनि॥ ५॥ नमामिथीयागमन्नायकतिनिचक्रमहाविनवि